धौलाधार संदेश

आधिकारिक समाचारपत्र, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

विश्वविद्यालय खेल विशेषांक

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

द्वारा आयोजित

Association of Indian Universities, New Delhi

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालयी प्रतियोगिता

उद्घाटन समारोह - महिला नेटबॉल प्रतियोगिता

देवभूमि हिमाचल प्राकृतिक जैव-सम्पदा सम्पन्न और अपार संभावनाओं से भरा प्रदेश है। हिमाचल प्रदेश ने शौर्य, शिक्षा, कला, संस्कृति एवं साहित्य के साथ-साथ खेलों में भी अपना परचम लहराया है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ एवं हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में धर्मशाला में आयोजित हो रही इस खेल स्पर्धा से हिमाचल प्रदेश के विद्यार्थियों के लिए नए अवसर के द्वार खुलेंगे। इस तरह के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से छात्रों में एकता और अखण्डता की भावना विकसित होगी। हिमाचल प्रदेश ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद भी विभिन्न क्षेत्रों में नए मानदंड स्थापित किए हैं। हाल ही में हम लोगों ने देखा कि हिमाचल प्रदेश कोरोना टीकाकरण में अग्रणी रहा। मुझे आशा है कि हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय आने वाले दिनों में शिक्षा और खेल के क्षेत्रों में भी महती भूमिका निभाएगा। इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं से युवाओं में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ टीम भावना भी विकसित होगी।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित!

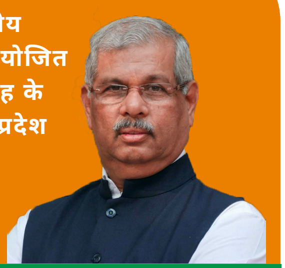

श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर
महामहिम राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

देवभूमि हिमाचल के निवासियों और इस खेल प्रतिस्पर्धा में भाग लेने आये प्रतिभागियों का मैं हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ। यह मेरे लिए अत्यंत हर्ष का विषय है कि हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर के इस खेल आयोजन की मेज़बानी कर रहा है। मेरा विश्वास है कि खेल शिक्षा का एक अभिन्न अंग है और देश के युवाओं के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। विगत कुछ वर्षों में देवभूमि हिमाचल ने खेलों के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। केंद्र सरकार तथा प्रदेश सरकार के संयुक्त प्रयासों से हमारे प्रदेश में खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए अनेक कदम उठाये गए हैं जिनके परिणामस्वरूप हमारे प्रदेश के युवाओं ने देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। मेरा प्रयास रहेगा कि आने वाले वक़्त में हम इन खेलों और खिलाड़ियों को दी जाने वाली सुविधाओं में और इजाफा करें। मैं हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों को हार्दिक बधाई देता हूँ कि वे इस वृहद् स्तर के खेल आयोजन के द्वारा हमारे प्रदेश का मान बढ़ा रहे हैं।

हार्दिक शुभकामनाएं!

श्री अनुराग ठाकुर
माननीय केंद्रीय सूचना व प्रसारण एवं युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री, भारत सरकार

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि धर्मशाला में विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय खेल-कूद प्रतियोगिता 20 मार्च से 30 मार्च, 2022 तक आयोजित की जा रही है। कोविड महामारी के कठिन दौर के बाद खेलकूद प्रतियोगिताएं पुनः आरंभ होने से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। खेल-कूद गतिविधियां युवा पीढ़ी के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत जरुरी है। युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराइयों से दूर रखने के लिए हर स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने का भरसक प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही खेल प्रतियोगिता के आयोजन पर भी विशेष बल दिया जा रहा है जिससे खेल प्रतिभाएं दुनिया भर में अपने देश का परचम लहरा सके। यह जानकर भी खुशी हो रही है कि इस राष्ट्रीय खेल कूद इवेंट पर केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा न्यूज़ लैटर का भी प्रकाशन किया जा रहा है। मैं न्यूज़ लैटर के प्रकाशन एवं प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

श्री राकेश पठानिया
माननीय वन एवं युवा सेवाएं
व खेल मंत्री, हिमचाल प्रदेश

देव-भूमि धर्मशाला में दिनांक 20 मार्च, 2022 से आयोजित होने वाली राष्ट्र स्तरीय और मण्डलीय खेल स्पर्धा में आप सभी का स्वागत है। यह विश्वविद्यालय परिवार के लिए हर्ष का विषय है कि अपना स्थाई परिसर न होने के बावजूद हमें इस वृहद आयोजन का मौका मिला है। इस खेल स्पर्धा में देश भर से महिला नेटबॉल कि 60 टीमों के 750 खिलाड़ी और मण्डलीय पुरुष खो-खो स्पर्धा में 250 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि विश्वविद्यालय में उत्तम शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ खेलों के लिए भी अनुकूल माहौल बनाया जाए।

प्रो. सत प्रकाश बंसल
कुलपति, हि.प्र.के.वि, धर्मशाला

राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिता का आयोजन हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के साथ-साथ धर्मशाला व प्रदेश के लिए भी गर्व का विषय है। धर्मशाला जैसे पर्यटन स्थल में इस प्रकार की खेल प्रतियोगिता का आयोजन होना अन्य राज्यों से आ रहे खिलाड़ियों के लिए भी उत्साहवर्धक रहेगा। 10 दिनों तक चलने वाली इस खेल प्रतियोगिता में देशभर से खिलाड़ी देवभूमि धर्मशाला पहुंचेंगे। सभी खिलाड़ियों से आशा की जाती है कि वह खेल की भावना के साथ खेलों में भाग लेंगे।

सधन्यवाद,

- प्रो. विशाल सूद
कुलसचिव (अतिरिक्त प्रभार)

20 मार्च से 30 मार्च तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के दौरान धर्मशाला में ही "लघु भारत" के दर्शन होने जा रहे हैं। मुझे यह आशा है कि यह अवसर हम सभी के लिए अविस्मरणीय रहे। भारत की परम्परा "अतिथि देवो भव:" के ही अनुरूप हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय सभी प्रतिभागियों का तहेदिल से स्वागत हेतु तैयार है। इन खेलों का हिस्सा बनने जा रहे सभी खिलाड़ियों से आशा रहेगी कि वे खेल भावना का सम्मान करते हुए प्रतियोगिता का हिस्सा बनेंगे और साथ ही धर्मशाला के प्राकृतिक सौन्दर्य का भी लुत्फ़ उठाएंगे।

सधन्यवाद,

- प्रो. प्रदीप कुमार
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

बहुमुखी प्रतिभा के विकास में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। खेल की अनेक विधाओं में भारतीय खिलाड़ियों ने देश को गौरवान्वित किया है। शिक्षा के साथ-साथ खेल को भी यदि सुनियोजित ढंग से अवसर के रूप में प्रदान किया जाए तो विद्यार्थियों का बहुमुखी विकास किया जा सकता है। 'खेलेगा इण्डिया, तभी तो जीतेगा इण्डिया' तथा वर्ष 2018 में शुरू हुई राष्ट्रीय स्तर की वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धा खेलो इण्डिया यूथ गेम' इसके जीवंत उदाहरण हैं।

सधन्यवाद,

- डॉ. सुमन शर्मा
निदेशक, खेल

विशिष्ट अतिथि

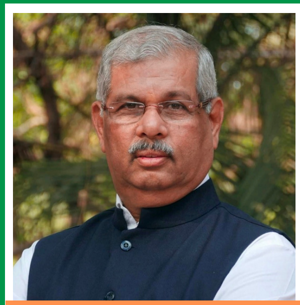

श्री राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर
महामहिम राज्यपाल
हिमाचल प्रदेश

श्री अनुराग ठाकुर
माननीय केंद्रीय सूचना व प्रसारण एवं युवा कार्यक्रम व खेल मंत्री, भारत सरकार

श्री राकेश पठानिया
माननीय वन एवं युवा सेवाएं
व खेल मंत्री, हिमचाल प्रदेश

पदमश्री प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी
माननीय कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

प्रो. सत प्रकाश बंसल
कुलपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला

श्री किशन कपूर
सांसद,
काँगड़ा एवं चंबा लोकसभा क्षेत्र

सुश्री इंदु गोस्वामी
सांसद,
राज्य सभा

श्री विशाल नैहरिया
विधायक, धर्मशाला

प्रो. संजीव कुमार शर्मा
कुलपति,
म. गाँ. के. वि. मोतिहारी

प्रो. टंकेश्वर कुमार
कुलपति,
ह. के. वि, महेंद्रगढ़

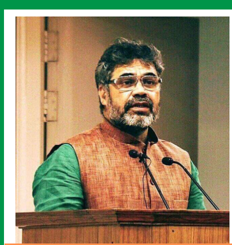

प्रो. रजनीश शुक्ल
कुलपति,
म. गाँ. अं. हि. वि, वर्धा

डॉ. निपुण जिंदल
उपयुक्त, काँगड़ा

श्री ख़ुशहाल शर्मा
पुलिस अधीक्षक, काँगड़ा

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताएं

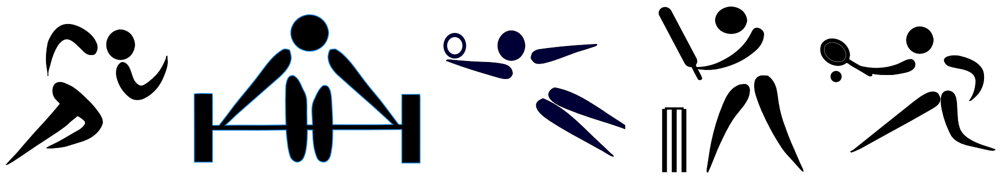

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला, एसोशिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अखिल भारतीय स्तर की अन्तरविश्वविद्यालयी महिला नेटबॉल स्पर्धा व क्षेत्रीय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता की मेजबानी करने जा रहा है। यह विश्वविद्यालय के साथ धर्मशाला शहर के लिए भी प्रतिष्ठा का विषय है। इस स्पर्धा में देशभर से महिला नेटबॉल की कुल 60 टीम के 750 व जोनल खो-खो प्रतियोगिता में 250 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। महिला नेटबॉल स्पर्धा में हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, उत्तर-प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्य-प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़िशा, महाराष्ट्र, आंध्र-प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडू, केरल और तेलंगाना की टीम हिस्सा ले रही हैं। सभी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) स्पोर्ट्स स्टेडियम काम्प्लेक्स, धर्मशाला में किया जा रहा है।

महिला नेटबॉल स्पर्धा का उद्घाटन सत्र 20 मार्च, 2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे, साई स्पोर्ट्स स्टेडियम काम्प्लेक्स, धर्मशाला में आयोजित किया जायेगा। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के महामहिम राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर, श्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा मामले और खेल मंत्री, श्री राकेश पठानिया, वन, युवा मामले एवं खेल मंत्री, हिमाचल प्रदेश सरकार, श्री किशन कपूर (सांसद, कांगड़ा और चंबा लोकसभा क्षेत्र), श्री विशाल नैहरिया (विधायक, धर्मशाला), प्रो. संजीव शर्मा (कुलपति, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी); प्रो. रजनीश शुक्ला (कुलपति, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा), प्रो. टंकेश्वर सिंह, कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, हरियाणा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

क्षेत्रीय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता के आयोजन का उद्घाटन समारोह 27 मार्च, 2022 को साई स्पोर्ट्स स्टेडियम, धर्मशाला में किया जायेगा। इस समारोह में हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जय राम ठाकुर जी, श्रीमती इंदु गोस्वामी, सांसद, राज्य सभा तथा पद्मश्री प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी, माननीय कुलाधिपति, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की गरिमामयी उपस्थिति होगी। खेल प्रतिस्पर्धा के आयोजन का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय को अकादमिक व शोध के साथ-साथ खेलों में भी अग्रणी बनाना है। साथ ही इस तरह के राष्ट्रीय आयोजनों से धर्मशाला शहर के पर्यटन को भी बढ़ावा तथा राज्य के युवाओं को खेलों में भाग लेने हेतु प्रोत्साहन भी मिलेगा।

यह पहला अवसर है जब हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय इस प्रकार का कोई आयोजन कर रहा है। इस आयोजन हेतु माननीय कुलपति प्रो। सत प्रकाश बंसल जी के कुशल नेतृत्व में कई समितियों का गठन किया गया है और माननीय कुलपति जी द्वारा समय-समय पर इसकी तैयारियों का जायज़ा लिया जा रहा है। विश्वविद्यालय ने इस आयोजन हेतु अपनी सारी तैयारियाँ पूर्ण कर ली हैं। यह आयोजन हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय को भारत के शिक्षण संस्थानों में खेलों के क्षेत्र में अग्रणी पंक्ति में ला खड़ा करेगा।

हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

माउण्ट धौलाधार के आँगन में प्राकृतिक सौन्दर्य से आच्छादित धर्मशाला में स्थित हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना संसद द्वारा अधिनियमित केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम-2009 (2009 का क्रमांक 25) के अन्तर्गत की गई है। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय 20 जनवरी 2010 को प्रथम कुलपति द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही कार्यशील हो गया।

यद्यपि विश्वविद्यालय की अपनी अवसंरचना के विकास में कुछ समय लग सकता है, तथापि विश्वविद्यालय ने शिक्षा क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श से एक महत्वाकांक्षी विज़न दस्तावेज विकसित किया है। विश्वविद्यालय के सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा यथा अनुमोदित विज़न दस्तावेज और कार्यनीतिक योजना विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cuhimachal.ac.in) पर उपलब्ध है। वर्तमान में विश्वविद्यालय तीन शैक्षणिक खण्डों धर्मशाला, शाहपुर और देहरा में कार्यरत है। कैंप कार्यालय : प्रशासनिक खण्ड, विश्वविद्यालय द्वारा (सैनिक कल्याण कार्यालय, धर्मशाला के पास है) एक निजी भवन किराये पर लिया गया है और विश्वविद्यालय के वित्त विभाग और परीक्षा नियंत्रक विभाग इसी भवन में कार्यरत हैं। तदनुसार, कालक्रम में विश्वविद्यालय के नवोन्नत परिसर (रों) बनकर तैयार होंगे। यह विश्वविद्यालय, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निधिबद्ध और विनियमित है। विश्वविद्यालय का कैंप कार्यालय इस समय धर्मशाला में संस्कृति सदन (राइटर्स होम) में (एचपीसीए क्रिकेट स्टेडियम के पास) स्थित है। विश्वविद्यालय वायुमार्ग, सड़क और रेल मार्ग से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। नजदीकी एयरपोर्ट गग्गल, धर्मशाला में स्थित है। सबसे निकट दो रेलवे स्टेशन पठानकोट और अम्ब अन्दौरा / चिंतपूर्णी मार्ग / दौलतपुर चौक स्थित हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में बनेगा स्पोर्ट्स स्टेडियम और स्पोर्ट्स अकैडमी

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला के माननीय कुलपति श्री सत प्रकाश बंसल की अध्यक्षता में 15 मार्च, 2022 को पूर्वाह्न 11:00 बजे संगोष्ठी हॉल, कैंपस -1, में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस प्रेस वार्ता में कुलपति एस.पी. बंसल ने एसोशिएशन ऑफ़ इंडियन यूनिवर्सिटीज़, नई दिल्ली तथा हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के तत्त्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय स्तर की अन्तर-विश्वविद्यालय महिला नेटबॉल स्पर्धा व क्षेत्रीय पुरुष खो-खो प्रतियोगिता के बारे में जानकारी पत्रकारों से साझा की।

मीडिया से बात करते हुए कुलपति एस.पी. बंसल ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के देहरा कैम्पस में स्पोर्ट्स स्टेडीयम तथा धर्मशाला कैम्पस में स्पोर्ट्स अकैडमी के निर्माण की योजना के बारे में जानकारी साझा की। कुलपति एसपी बंसल ने बताया कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, युवा मामले और खेल मंत्री श्री अनुराग ठाकुर जी ने यह आश्वासन दिया है कि विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खेल मंत्रालय, विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को तैयार है।

स्टेडियम तथा स्पोर्ट्स अकैडमी के निर्माण का कार्य केंद्रीय विश्वविद्यालय के देहरा तथा धर्मशाला के स्थायी कैम्पस के साथ साथ शुरू करनी की तैयारी है।

राज्य में खेल की मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का मौक़ा नहीं मिलता है। स्टेडियम तथा अकैडमी के निर्माण का फायदा सिर्फ विश्वविद्यालय के छात्रों को ही नहीं बल्कि प्रदेशभर के युवाओं और खिलाड़ियों को मिलेगा। हिमाचल प्रदेश देश विदेश में खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले कई खिलाड़ियों की जन्मभूमि रही है। अजय ठाकुर, चरनजीत सिंह, सुषमा वर्मा, शिवा कृशनन जैसे प्रदेश के खिलाड़ियों ने देश विदेश में प्रदेश का नाम रोशन किया है। आशा है कि इन खेल सुविधाओं की मदद से प्रदेश, भारत को नए खिलाड़ी देगा जो देश का नाम रोशन करेंगे। इस मीडिया वार्ता में माननीय कुलपति जी के साथ विशाल सूद, रजिस्ट्रार (अतिरिक्त प्रभार); प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण और डॉ. सुमन शर्मा, खेल निदेशक ने भी अपने विचार मीडिया से साझा किए।

धर्मशाला की पहचान एच.पी.सी.ए. का क्रिकेट स्टेडियम

हिमाचल में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने और उनको एक मंच प्रदान करने में धर्मशाला स्थित हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एशोसिएशन खास योगदान दे रहा है। एच.पी.सी.ए. स्टेडियम की वजह से अब धर्मशाला विश्व मानचित्र पर एक अपनी खास पहचान बना चुका है। 2 जुलाई 2000 को श्री अनुराग ठाकुर को एसोशिएसन का अध्यक्ष चुने जाने के बाद से एच.पी.सी.ए. ने कई नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। स्टेडियम में लगभग 23000 दर्शकों के बैठने की क्षमता है। धौलाधार की खूबसूरत वादियों में स्थित इस स्टेडियम में चार एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले जा चुके हैं। यहां पर सबसे पहला मैच सन् 2013 में भारत और इंग्लैंड के बीच मे खेला गया था। सन् 2014 में यहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेले गए एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच में भारत ने 56 रनों से जीत दर्ज की थी। इस स्टेडियम में सन् 2017 में एकमात्र टेस्ट मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया जिसमें भारत ने जीत हासिल की। यहां हाल ही में हुए टी-20 मुकाबलों की श्रृंखला में भारत ने श्रीलंका को करारी शिकस्त दी और श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली।

श्री अनुराग ठाकुर ने खेलों के प्रति युवाओं का रुझान बढ़ाने के लिए कई जिलों में एच.पी.सी.ए. की शाखाएं भी खोली हैं। इन शाखाओं में युवाओं के हुनर को तराशने का काम लगातार जारी है। इसी का नतीजा है कि इस साल हिमाचल प्रदेश की टीम ने दलीप ट्रॉफी को अपने नाम करके इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। श्री ठाकुर ने अपने कार्यकाल में महिलाओं को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया तथा खिलाड़िओं के लिए अकादमी की स्थापना भी की। खिलाड़ियों का कहना है कि अकादमी में अनुभवी स्टाफ होने के की वजह से फायदा हुआ है और उनके प्रदर्शन में काफी सुधार हुआ है। तनुजा कंवर, जो कि अब भारतीय रेलवे की खिलाड़ी हैं, का कहना है कि "धर्मशाला स्थित इसी खेल अकादमी की वजह से वह इंडिया-ए, सीनियर नेशनल, चैलेंजर ट्रॉफी खेल पाईं हैं।"

यही नहीं स्टेडियम के बनने की वजह से यहां के स्थानीय लोगों को भी काफी फायदा हुआ है। इसकी वजह से यहां पर पर्यटन को काफी बढ़ावा मिला है और लोगों के लिए रोजगार के कई नए अवसर पैदा हुआ हैं।

धर्मशाला : संक्षिप्त परिचय

धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में स्थित एक खुबसूरत शहर है। लगभग 27.6 वर्ग कि.मी.में फैला यह शहर समुद्रतल से 4,780 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। धौलाधार पर्वत से सुशोभित धर्मशाला प्राकृतिक सौन्दर्य के लिए विश्व प्रसिद्ध है। इसे सन् 1855 में कांगड़ा जिले का मुख्यालय बनाया गया था और वर्तमान में यह प्रदेश की शीतकालीन राजधानी भी है। यहां की जलवायु उप-उष्ण कटिबंधीय है। धर्मशाला का नाम देश में सबसे ज्यादा बारिश वाले स्थानों में भी नाम शुमार है। आध्यात्मिक और धार्मिक दोनों दृष्टियों से यह शहर समृद्ध है। जिला मुख्यालय से लगभग 4 कि.मी. पच्छिम में स्थित कुनाल पथरी नामक जगह पर शक्तिपीठ स्थित है तो थेकचेन छोलिङ्ग मंदिर, जो तिब्बती बौद्ध धर्म का आध्यात्मिक केंद्र, मैक्लॉडगंज में स्थित है। इसी मंदिर के परिसर में बौद्ध धर्म के 14वें महागुरु (धर्म गुरु) दलाई लामा का प्रवास स्थल भी है। निर्वासित तिब्बती सरकार और संसद यहीं स्थित है।

पर्यटन की दृष्टि से भी धर्मशाला हमेशा से आकर्षण का केंद्र रहा है । हिमाच्छादित पर्वतीय आकर्षण के साथ-साथ यहाँ स्थित क्रिकेट स्टेडियम विश्व पर्यटन के केंद्र के रूप में जाना जाता है। ऐतिहासिक डल झील, भागसूनाग मंदिर, भागसूनाग वॉटरफाल, इन्द्रुनाग मंदिर, अखंजर महादेव व चाय के बागान यहां के दर्शनीय स्थल हैं। धर्मशाला में पहाड़ी और हिंदी मुख्य रूप से बोली जाती है। तिब्बती प्रवासियों के रहने की वजह से कुछ भाग में तिब्बती भाषा भी बोली जाती। धर्मशाला प्रदेश का मुख्य शैक्षणिक केंद्र भी है। जहां हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर (धर्मशाला), हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (राज्य) परिसर, खनियारा, राजकीय बी.एड. कॉलेज, मैनेजमेंट कॉलेज सहित कई और उच्च शिक्षा के संस्थान स्थित हैं। धर्मशाला को भारत सरकार के स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत स्मार्ट शहर के रूप में विकसित होने वाले सौ शहरों के रूप में भी चुना गया है। धर्मशाला सड़क मार्ग और हवाई मार्ग से सीधे जुड़ा हुआ है। नजदीकी हवाई अड्डा गग्गल में है जो धर्मशाला से लगभग 12 कि.मी. दूर है। पठानकोट से नैरोगेज रेलमार्ग द्वारा भी यहाँ पहुँचा जा सकता है। नजदीकी नैरोगेज रेलवे स्टेशन कांगड़ा में है जो धर्मशाला से 16 कि.मी. की दुरी पर है और यहां से पठानकोट से जोगिन्दर नगर तक जाने वाली टॉय ट्रेन का भी लुत्फ़ उठाया जा सकता है।

प्रोफेसर (डॉ) सत प्रकाश बंसल, माननीय कुलपति महोदय, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला जिले के प्रशाशनिक अधिकारियों के साथ हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में होने वाले अंतर्विश्वविद्यालयी खेलों के आयोजन की तैयारियों के बारे में विचार-विमर्श करते हुए।

मंच सज्जा और प्रस्तुतीकरण समिति की बैठक।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की महिला नेटबाल टीम अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालय महिला नेटबाल प्रतियोगिता के लिए तैयारी करती हुई।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की महिला नेटबाल टीम।

विश्वविद्यालय के कर्मचारी अखिल भारतीय अन्तरविश्वविद्यालय महिला नेटबाल प्रतियोगिता के लिए मैदान तैयार करते हुए।

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, की महिला नेटबाल टीम, सहायक कोच श्री राहुल यादव (मध्य में) के साथ अपने अभ्यास सत्र के लिए तैयार होते हुए।

विश्विद्यालय खेल विशेषांक

बॉयज हॉस्टल के मैदान में दोस्तों के साथ फुटबॉल खेलते समय यह आशा हमेशा रहती थी कि यूनिवर्सिटी की ओर से राज्य या राष्ट्रिय स्तर पर खेलने का मौका मिले। यूनिवर्सिटी में राष्ट्र स्तर के खेलों का आयोजन हो रहा है, जोकि छात्रों के लिए काफी लाभदायक रहेगा। छात्रों के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेल-कूद की गतिविधियों में शामिल होना भी अनिवार्य है। आने वाले समय में छात्रों के लिए यूनिवर्सिटी इस तरह की खेल गतिविधियों का आयोजन होता रहेगा, इसकी कामना है।

- कृष्णा खरवार, शोधार्थी

खेलों में बचपन से ही मेरी काफी रुचि रही है| स्कूल से शुरू हुआ बास्केटबाल व बॉक्सिंग को लेकर प्यार अभी भी बरकार है|
यूनिवर्सिटी में भी छात्रों को खेलों में आगे बढ़ने के मौके मिलें, यह जरूरी है| कुलपति के कहे अनुसार जल्द ही यूनिवर्सिटी में
स्पोर्ट्स अकादमी तैयार होगी जिसका भरपूर फायदा यहाँ के छात्र उठाएंगे| यूनिवर्सिटी में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की नेटबाल व
खो-खो प्रतियोगिता के लिए काफी उत्साह बना हुआ है|

-आकृति बंसल, स्नातकोत्तर छात्र

राष्ट्र स्तर की नेटबॉल व जोनल खो-खो खेल के लिए विभिन्न राज्यों से खिलाड़ी यूनिवर्सिटी पहुँच रहे हैं, जिसके चलते यूनिवर्सिटी में काफी रोमांच भरा माहौल बना हुआ है। इससे पहले यूनिवर्सिटी स्तर के खेलों का आयोजन यहाँ हुआ है लेकिन पहली बार इस तरह का आयोजन यूनिवर्सिटी में देखने को मिलेगा| अन्य राज्यों के खिलाड़ियों से मिलना, वहां के बारे में जानना एक अलग अनुभव रहेगा। वहीं यूनिवर्सिटी में भी आने वाले समय में स्पोर्ट्स गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा, जोकि छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद रहेगा।

- कोमल वेक्टा, शोधार्थी

धर्मशाला मेरा प्रिय शहर है। यहाँ के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन साहित्य में भी खूब मिलता है। धौलाधार पर्वत शृंखला जिसमें चार चाँद लगाता है। धर्मशाला आध्यात्म और धर्म समृद्ध सांस्कृतिक केंद्र के साथ-साथ शिक्षा और खेल के केंद्र के रूप में विख्यात है। हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पास स्थित अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम अपनी खूबसूरती के लिए विश्वविख्यात है। क्रिकेट स्टेडियम के सामने सिंथेटिक ट्रैक है, जहां सायंकाल मैं दौड़ लगाने जाया करता था। परन्तु कोविड-19 की वजह से इसमें रुकावट आ गई थी। अब जब हमारा विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर के खेलों की मेजबानी कर रहा है, यह हम सभी के लिए खुशी का क्षण है। मेरी रुचि खेलों में खासकर 100 मीटर दौड़, 200 मीटर दौड़ और 10 मीटर पिस्टल शूटिंग और फुटबाल में है।

- सर्वेश कुमार मिश्र, शोधार्थी

उद्घाटन सत्र (20 मार्च 2022) का मिनट दर मिनट कार्यक्रम

क्रम	कार्यक्रम	कार्यक्रम का समय
1	विशिष्ट अतिथियों का आगमन (हृदय पदक लगाना)	पूर्वाह्न 11:00 बजे
2	दीप प्रज्ज्वलन एवं मंत्रोच्चार	पूर्वाह्न 11:05 बजे
3	मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान	पूर्वाह्न 11:07 बजे
4	विश्वविद्यालय कुलगीत एवं न्यूज़ लेटर का विमोचन तथा कुलगीत का वादन	पूर्वाह्न 11:12 बजे
5	महामहिम राज्यपाल (श्री राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर) द्वारा कार्यक्रम प्रारम्भ करने की घोषणा	पूर्वाह्न 11:15 बजे
6	ध्वजारोहण (श्री अनुराग ठाकुर, केन्द्रीय खेल मंत्री के द्वारा) (बैंड सहित राष्ट्रगान/गुब्बारा-कबूतर उड़ाना/मशाल जलाना)	पूर्वाह्न 11:16 बजे
7	स्वागत भाषण (प्रो. एस.पी. बंसल, माननीय कुलपति, हि.प्र.के.वी.)	पूर्वाह्न 11:25 बजे
8	उद्बोधन (श्री राकेश पठानिया, राज्य खेल मंत्री, हिमाचल सरकार)	पूर्वाह्न 11:35 बजे
9	उद्बोधन (श्री अनुराग ठाकुर, केन्द्रीय खेल मंत्री, भारत सरकार)	पूर्वाह्न 11:45 बजे
10	उद्बोधन एवं आशीष महामहिम राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश (श्री राजेन्द्र विश्वनाथ अर्लेकर,)	पूर्वाह्न 12:05 बजे
11	एथलेटिक्स शपथ (डॉ. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, हि.प्र.के.वी.)	पूर्वाह्न 12:25 बजे
12	धन्यवाद ज्ञापन (डॉ. सुमन शर्मा, खेल निदेशक, हि.प्र.के.वी.)	पूर्वाह्न 12:27 बजे
13	प्रथम खेल का प्रारम्भ	पूर्वाह्न 12:30 बजे

विश्वविद्यालय प्रथम कुलगीत

देव धरा चिन्तन में वीर भूमि रक्षण में
स्थित धवल धार अंचल में,
ज्ञान ज्योति आलोक समुज्वल ।
केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल......... । ।

विज्ञान कला का अर्जन स्वविस्तार का सच है।
कौशल विकास का शिक्षण जीवन का गतिक्रम है।।
प्रेरक ऊर्जा गुम्फित पल-पल ।
केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल......... ।।

अनुसन्धान पर केन्द्रित शोध और आलेखन।
प्रश्नाकुल मेधा का समसम्यक निर्देशन ।।
अध्ययन मनन अर्जित श्रम फल ।
केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल.........।।

मन पाटी पर अंकित संस्कारों की थाती।
अभियान मुखी पंखों को दिशाबोध आश्वास्ति ।।
नेति नेति चरैवेति अविरल ।
केन्द्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल......... । ।
हिमाचल, हिमाचल, हिमाचल, हिमाचल ।।

अखिल भारतीय अंतर-विश्वविद्यालय नेटबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाली टीमें

1. कालीकट विश्वविद्यालय, कालीकट
2. सावित्रीबाई फूले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे
3. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
4. पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब
5. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम
6. छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश
7. बेंगलुरु विश्वविद्यालय
8. चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
9. यूनिवर्सिटी ऑफ केरला
10. महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी
11. आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम
12. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई
13. जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर
14. पं. रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय, रायपुर
15. वी.टी.यू., बेलागावी
16. पंजाबी विश्वविद्यालय चंडीगढ़
17. हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग
18. तुमकुर विश्वविद्यालय टमकुर
19. जम्मू क्लस्टर विश्वविद्यालय, जम्मू
20. काशी हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस
21. हेमचंद्राचार्य नॉर्थ गुजरात विश्वविद्यालय
22. चंडीगढ़ विश्वविद्यालय, मोहाली
23. भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय
24. के.वी.सी. नॉर्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव
25. गोंडवाना विश्वविद्यालय, गडचिरोली
26. राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय
27. चितकारा विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश
28. गोकुल ग्लोबल विश्वविद्यालय, गुजरात
29. कृष्णा विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
30. मंगलोर विश्वविद्यालय
31. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र
32. कर्नाटका स्टेट अक्कामहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर
33. कर्नाटका विश्वविद्यालय, धारवाड़
34. स्वर्णिम गुजरात खेल विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात
35. दीनबन्धु छोटू राम यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मुरथल
36. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
37. ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद
38. जवाहरलाल नेहरू तकनीकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद
39. राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंस, कर्नाटक
40. राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश
41. आई.टी.एम. विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश
42. आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश
43. डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय खेल समिति, अयोध्या
44. बेंगलुरु सिटी विश्वविद्यालय, बेंगलुरू
45. भरथिदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली
46. लवली प्रोफेशनल विश्विद्यालय
47. चित्कारा विश्वविद्यालय, पंजाब
48. राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
49. संत गाहीरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा
50. कोटा विश्वविद्यालय, कोटा
51. आई.आई.एस. विश्वविद्यालय, जयपुर
52. महाराजा गंगा सिंह विश्वविद्यालय, बीकानेर
53. चौधरी बंशीलाल विश्वविद्यालय, भिवानी
54. रांची विश्वविद्यालय, रांची
55. रानी चन्नम्मा विश्वविद्यालय, बेलागवी
56. फ़क़ीर मोहन विश्वविद्यालय, ओडिशा
57. जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू
58. तांतिया विश्वविद्यालय, श्रीगांधीनगर
59. दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
60. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु

संपादक - मंडल

प्रो. प्रदीप नायर
डॉ. राम प्रवेश राय
श्री कुलदीप सिंह
श्री हरीकृषणन बी.
डॉ. हर्ष मिश्रा
श्री दीपक कुमार वैष्णव
श्री पवन कुमार
श्री सर्वेश कुमार मिश्र
श्री अमन आकाश
श्री शिवम
श्री कृष्णा खरवार